

into instances of irregularities, lapses or improprieties referred to in the Report of the Industrial Licensing Policy Inquiry Committee which have allegedly taken place to the advantage of the Large Industrial Houses and also into certain specific allegations against the Birla Group of concerns was laid on the Table of the House as an enclosure to the answer given to Unstarred Question No. 245 on 24th February, 1970. Although the matter relating to the grant of a licence for the Goa Fertilizer Project has not been specifically included in the terms of reference of the Commission, it (the Commission) would inquire into the circumstances in which a predominant share was obtained by the Large Industrial Houses in various industries including fertilizers. The Commission has also been authorised to inquire into and report on such other allegations or matters which may come to its notice, being matters connected with or arising out of the matters referred to in its terms of reference.

साइकिल रिक्शाओं के लिये आटो-इंजनों का निर्माण

*1019. श्री राम स्वरूप विद्यार्थी :
श्री वंश नारायण सिंह :

क्या औद्योगिक विकास, आन्तरिक व्यापार तथा सम्बाध-कार्य मंत्री आटो-इंजन साइकिल रिक्शा के बारे में 25 नवम्बर, 1969 के अतारंजित प्रश्न सं० 1237 के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या साइकिल रिक्शाओं के लिये आटो-इंजन बनाने हेतु मेसर्स हिन्द साइकिल लिमिटेड, बम्बई को आवश्यक लाइसेंस दिया गया है,

(ख) क्या यह सच है कि स्कूटर तथा स्कूटर रिक्शा निर्माता साइकिल रिक्शाओं के लिए आटो-इंजन न बनाने देने के लिए सरकार पर दबाव डाल रहे हैं जिससे उनके उत्पादनों की बिक्री और उनके द्वारा अर्जित किये जोन वाले अत्यधिक लाभ पर कोई विपरीत प्रभाव न पड़े, और

(ग) यदि नहीं, तो क्या मेसर्स हिन्द साइकिल लिमिटेड, बम्बई को निर्माण कार्य शीघ्र प्रारम्भ करने के लिये कहने का विचार है ?

औद्योगिक विकास, आन्तरिक व्यापार तथा सम्बाध-कार्य मंत्री (श्री फलरूहीन अली अहमद) :
(क) मेसर्स हिन्द साइकिल लि०, बम्बई को मार्च, 1967 में आटो-रिक्शा तथा ट्रायियों में लगने वाले गैसोलीन इंजनों के निर्माण की अनुमति दी गई थी।

(ख) जी, नहीं।

(ग) फर्म पहले से ही उत्पादन कर रही है।

विशेषज्ञ दलों द्वारा ईराक की यात्रा

*1020. श्री रघुवीर सिंह शास्त्री : क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि रेलवे ने हाल में दो विशेषज्ञ दल ईराक भेजे थे;

(ख) यदि हाँ, तो उक्त प्रत्येक दल की ईराक सरकार के अधिकारियों के साथ हुई वार्ता का व्यौरा क्या है ;

(ग) उसके क्या परिणाम निकले; और

(घ) इन यात्राओं पर भारत सरकार ने कितना व्यय किया ?

रेलवे मंत्री (श्री नन्दा) : (क) से (घ). बगदाद से आबू कमाल तक 400 किलोमीटर लम्बी रेलवे लाइन विछाने के लिए प्रारम्भिक व्यावहारिकता एवं लागत अध्ययन के सम्बन्ध में जनवरी, 1970 में विदेश व्यापार और रेल मंत्रालयों ने ईराकी सरकार के प्रतिनिधि मण्डल से दिल्ली में विचार-विमर्श किया था। इस विचार-विमर्श के फलस्वरूप यह निश्चय किया गया कि यह अध्ययन भारतीय रेल के अधिकारियों द्वारा किया जायेगा। तदनुसार 8 अधिकारियों का एक पर्यवेक्षक दल और क्षेत्र-